<u>मेरठ के सकौती ग्राम में 'अनुसूचित जाति उप योजना' के अंतर्गत 'कृषक प्रशिक्षण एवं बीज वितरण' कार्यक्रम का आयोजन</u>

पूसा संस्थान द्वारा 'अनुसूचित जाति उप योजना' के अंतर्गत 'कृषक प्रशिक्षण एवं बीज वितरण' कार्यक्रम ग्राम सकौती, ब्लॉक दौराला, तहसील सरधना, जिला मेरठ (उत्तर प्रदेश) में दिनांक 8 अक्टूबर, 2023 आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन और दुग्ध, भारत सरकार, माननीय, डॉ संजीव बालियान थे। साथ ही अन्य अतिथिगणों में प्रमुख रूप से श्री शिव कुमार राणा जिलाध्यक्ष, श्री विमल शर्मा चेयरमैन कॉपरेटिव, श्री मनिंदर पाल सिंह पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष, श्री राहुल देव पूर्व ब्लॉक प्रमुख तथा श्री इंद्रपाल बजरंगी क्षेत्रीय मंत्री मौजूद रहे।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ संजीव बालियान ने किसानों का संबोधन किया और पूसा संस्थान द्वारा चलाई जा रही परियोजना का भरपूर लाभ उठाने का आह्वान आह्वान किया। साथ ही उन्होंने भारत सरकार द्वारा किसान कल्याण के लिए कृषि संबंधित चलाई जा रही परियोजनाओं के बारे में चर्चा किया। उपस्थित अन्य अतिथिगणों ने भी किसानों के समक्ष अपने विचार रखे।

पूसा संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पधारे विशिष्ठ अतिथियों में संस्थान के संयुक्त निदेशक (प्रसार), डॉ आर एन पडरिया भी थे, उन्होंने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री का स्वागत किया साथ ही अपने स्वागत भाषण में पूसा संस्थान द्वारा संचालित 'अनुसूचित जाति उप योजना' की विस्तृत चर्चा किया और सरकार की अन्य कृषि परियोजनाओं के बारे में भी बताया। उप योजना के नोडल अधिकारी श्री संदीप लाल ने किसानों को इस योजना की रूपरेखा एवं दिशा निर्देश के बारे में अवगत कराया।

इस अवसर पर पूसा संस्थान की तरफ से उपस्थित वैज्ञानिकों की टीम में डॉ लक्ष्मण प्रसाद, प्रधान वैज्ञानिक पादप रोग विज्ञान विभाग; डॉ श्रवण सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक सब्जी विज्ञान विभाग; डॉ रविंद्र कुमार, प्रधान वैज्ञानिक केंद्रीय गौवंश अनुसंधान संस्थान, मेरठ; डॉ नफीस अहमद, प्रधान वैज्ञानिक कृषि प्रसार, कैटेट; डॉ टीकम सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक सस्य विज्ञान विभाग तथा डॉ नरेश बैंसला, वरिष्ठ वैज्ञानिक आनुवांशिकी विभाग उपस्थित रहे।

वैज्ञानिकों ने किसानों को उन्नत खेती के गुर सिखाए। प्रमुख रूप से गेहूं, गन्ना, सरसों वा सब्जी फसलों की खेती के बारे में तकनीकी ज्ञान साझा किया। इसके साथ ही उन्होंने अधिक उपज एवं आय के लिए वैज्ञानिक विधि और उन्नत तकनीकी का अनुसरण करने पर बल दिया।

कार्यक्रम में आस पास के लगभग 30 गांवों के 1200 किसानों ने भाग लिया और लाभान्वित हुए। इस अवसर पर किसानों को कृषि आदानों (इनपुट्स) जैसे उन्नत किस्मों के गेहूं के बीज, सब्जी बीज किट्स, फावड़े, दराती आदि कृषि उपयोगी यंत्र माननीय मंत्री द्वारा वितरित किए गए।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

c